

मार्जारपाद स्त्री. (तत्.) एक प्रकार का बुरे लक्षणों वाला घोड़ा।

मार्जाराक्षक पुं. (तत्.) एक प्रकार का रत्न।

मार्जारी स्त्री. (तत्.) 1. बिल्ली 2. कस्तूरी 3. गंध नाकुली।

मार्जारी टोड़ी स्त्री. (देश.) संपूर्ण जाति की एक रागिनी जिसमें सब कोमल स्वर लगते हैं।

मार्जारीय पुं. (तत्.) बिल्ली वि. मार्जन करने वाला।

मार्तंड पुं. (तत्.) 1. सूर्य 2. आक, मदार 3. सूअर 4. सोनामक्खी।

मार्तंड वल्लभा स्त्री. (तत्.) 1. सूर्य की पत्नी 2. छाया।

मार्तिक भू.कृ. (तत्.) मिट्टी से बना या बनाया हुआ पुं. 1. सकोरा 2. पुरवा।

मार्तिकावत पुं. (तत्.) 1. पुराणानुसार चेदि राज्य का एक प्राचीन नगर 2. उक्त नगर के आस पास का प्रदेश 3. उक्त देश का निवासी।

मार्दंग पुं. (तत्.) 1. मृदंग बजाने वाला 2. नगर, शहर।

मार्दंगिक पुं. (तत्.) वह जो मृदंग बजाता हो, मृदंगिया।

मार्दव पुं. (तत्.) 1. मृदु होने की अवस्था या भाव, मृदुता 2. दूसरे को दुःखी देखकर दुःखी होने की वृत्ति, हृदय की कोमलता और सरसता 3. अहंकार आदि दुर्गुणों से रहित होने की अवस्था या भाव 4. एक प्राचीन जाति।

मार्दवीक वि. (तत्.) 1. अंगूर-संबंधी 2. अंगूर से बना या बनाया हुआ।

मार्मिक वि. (तत्.) 1. मर्म-संबंधी, मर्म का 2. मर्म-स्थान (हृदय) पर प्रभाव डालने अथवा उसे आंदोलित करने वाला 3. किसी विषय का मर्म अर्थात् निहित तत्व के आधार पर या विचार से होने वाला जैसे- मार्मिक विवेचन।

मार्मिकता स्त्री. (तत्.) 1. मार्मिक होने की अवस्था या भाव 2. किसी विषय, शास्त्र आदि के गूढ़ रहस्यों की अभिज्ञता या अच्छी जानकारी।

मार्शल पुं. (अं.) सेना का एक उच्च अधिकारी।
marshal

मार्शल-ला पुं. (तत्.) 1. वह आदेश जिसके द्वारा किसी देश की शासन-व्यवस्था सेना को सौंपी जाती है 2. सैनिक व्यवस्था या शासन, फौजी कानून या हुकूमत marshal law

माल पुं. (तत्.) 1. क्षेत्र 2. कपट, छल 3. वन, जंगल 4. हरताल 5. विष्णु 6. एक प्राचीन अनार्य या म्लेच्छ जाति 7. एक प्राचीन देश स्त्री. 1. गले में पहनने की माता 2. वह रस्सी या सूत की डोरी जो चरखे में बेलन पर से होकर जाती है और टेकुए को घुमाती है 3. पंक्ति, श्रेणी 4. झुंड, समूह।

माल-कंगनी स्त्री. (तत्.) 1. एक प्रकार की लता जिसके बीजों का तेल निकलता है 2. उक्त लता के दाने या बीज औषध के काम आते हैं और इनमें से एक प्रकार का तेल निकलता है।

मालक पुं. (तत्.) 1. स्थल-पद्म 2. नीम।

मालका स्त्री. (तत्.) माला।

मालकोश पुं. (तत्.) संगीत में ओड़व जाति का एक राग जिसे कौशिक राग भी कहते हैं तथा रात के दूसरे पहर में गाया जाता है।

मालखंभ पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार की भारतीय कसरत या व्यायाम जो लकड़ी के खंभे या डंडे के सहारे किया जाता है और जिसमें कसरत करने वाला अनेक प्रकार से बार-बार ऊपर चढ़ता और कला-बाजियाँ करता हुआ नीचे उतरता है 2. वह खंभा जिसके सहारे उक्त प्रकार की कसरत या व्यायाम किया जाता है।

मालखाना पुं. (देश.) 1. बहुमूल्य वस्तुएँ सँभालकर रखने का स्थान 2. भंडार 3. गोदाम।

माल-गाड़ी पुं. (देश.) वह रेल गाड़ी (सवारी-गाड़ी से भिन्न) जिसमें केवल माल-असबाब भरकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचाया जाता है।